भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2146

दिनांक 01 अगस्त, 2025 को उत्तर के लिए

पोषण और स्वास्थ्य परिणाम

2146. डॉ. कल्याण वैजीनाथराव काले:

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में समेकित बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) में नामांकित 0-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की संख्या कितनी है ओर साथ ही प्रतिदिन पूरक पोषण प्राप्त करने वाले बच्चों की राज्यवार एवं महिला-पुरुषवार संख्या कितनी है;

(ख) कम से कम 80 प्रतिशत समय अपनी पात्रता का पूरा टेक-हाम राशन (टीएचआर) प्राप्त करने वाली गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं की संख्या कितनी है; और

(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान पोषण ट्रैकर या समेकित बाल विकास सेवा-कॉमन एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (आईसीडीएस-सीएएस) के माध्यम से पहचान किए गए कम वजन वाले और कमजोर बच्चों (डब्ल्यूएचओ विकास मानकों के अनुसार) का प्रतिशत कितना है?

उत्तर

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) से (ग): 15वें वित्त आयोग के तहत, कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान और किशोरियों (आकांक्षी जिलों और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 14-18 वर्ष की आयु) के लिए योजना जैसे विभिन्न घटकों को मिशन सक्षम आंगनवाड़ी तथा पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के अंतर्गत शामिल किया गया है। यह एक केंद्र

प्रायोजित योजना है, जहाँ विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की है। यह मिशन एक सार्वभौमिक स्व-चयनित व्यापक योजना है जहाँ किसी भी लाभार्थी के लिए पंजीकरण और सेवाएँ प्राप्त करने में कोई प्रवेश बाधा नहीं है।

पोषण ट्रैकर डेटा के अनुसार, जून 2025 के लिए सक्षम आंगनवाड़ी और मिशन पोषण 2.0 के तहत वर्तमान में पंजीकृत 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों की संख्या का राज्य-वार और लिंग-वार विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

इस मिशन के अंतर्गत, जीवन चक्र दृष्टिकोण अपनाकर कुपोषण के अंतर-पीढ़ीगत चक्र को हराने के लिए बच्चों (6 महीने से 6 वर्ष), गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों को पूरक पोषण प्रदान किया जाता है। पूरक पोषण राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की अनुसूची- II में निहित पोषण मानदंडों के अनुसार प्रदान किया जाता है। इन मानदंडों को जनवरी 2023 में संशोधित किया गया है। पुराने मानदंड काफी हद तक कैलोरी-विशिष्ट थे; तथापि, संशोधित मानदंड आहार विविधता के सिद्धांतों के आधार पर पूरक पोषण की मात्रा और गुणवत्ता दोनों के संदर्भ में अधिक व्यापक और संतुलित हैं जो गुणवत्ता वाले प्रोटीन, स्वस्थ वसा और सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करते हैं। वित्तीय वर्ष 25-26 की पहली तिमाही के पोषण ट्रैकर डेटा के अनुसार जिन बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को पूरक पोषण भेजा जा रहा है, उनकी संख्या का विवरण **अनुलग्नक- II** में दिया गया है। लाभार्थियों की संख्या, पिछली तिमाही के पहले महीने के अंतिम दिन पोषण ट्रैकर पर रिपोर्ट किए गए आधार-सत्यापित लाभार्थियों की संख्या में से ऑप्ट-आउट लाभार्थियों को घटाकर निर्धारित की जाती है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 1992-93 से किए गए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के विभिन्न चरण भी भारत भर में बच्चों में कुपोषण संकेतकों में सुधार दर्शाते हैं। एनएफएचएस-1 से एनएफएचएस-5 तक बच्चों के लिए इन संकेतकों का विवरण इस प्रकार है:

एनएफएचएस सर्वेक्षण	**ठिगनापन %**	**अल्प वजन %**	**दुबलापन %**
एनएफएचएस-1 (1992-93)*	52	53.4	17.5
एनएफएचएस-2 (1998-99)**	45.5	47	15.5
एनएफएचएस-3 (2005-06)***	48.0	42.5	19.8
एनएफएचएस-4 (2015-16)***	38.4	35.8	21.0
एनएफएचएस-5 (2019-21)***	35.5	32.1	19.3

* 4 वर्ष से कम

** 3 वर्ष से कम

*** 5 वर्ष से कम

उपर्युक्त तालिका में 0-3 वर्ष, 0-4 वर्ष और 0-5 वर्ष आयु के सभी बच्चों में संगत समय पर कुपोषण संकेतकों की तस्वीर प्रस्तुत करती है।

वर्ष 2021 में भारत में 5 वर्ष तक के सभी बच्चों की अनुमानित जनसंख्या लगभग 13.75 करोड़ थी (स्रोत: भारत और राज्यों के लिए जनसंख्या अनुमान 2011-2036, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)। तथापि, जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, 5 वर्ष तक के केवल 7.36 करोड़ बच्चे ही आंगनवाड़ियों में नामांकित और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के पोषण ट्रैकर पर पंजीकृत थे। इनमें से 7 करोड़ बच्चों के कद और वजन में वृद्धि संबंधी मापदंडों पर मापन किया गया। इनमें से 37.07% बच्चे ठिगने, 15.93% बच्चे अल्प वजन के और 5.46% बच्चे दुबले पाए गए।

इसके अलावा, वर्ष 2021 में भारत में 6 वर्ष तक के सभी बच्चों की अनुमानित जनसंख्या लगभग 16.1 करोड़ थी। पोषण ट्रैकर के जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, 8.61 करोड़ बच्चे (0-6 वर्ष) आंगनवाड़ियों में नामांकित थे जिनमें से 8.19 करोड़ बच्चों की कद और वजन में वृद्धि संबंधी मापदंडों पर मापन किया गया। इनमें से 35.91% बच्चे (0-6 वर्ष) ठिगने पाए गए और 16.50% बच्चे (0-6 वर्ष) अल्प वजन के पाए गए।

उपर्युक्त एनएफएचएस आंकड़ों और पोषण ट्रैकर आंकड़ों के विश्लेषण से पूरे भारत में बच्चों में कुपोषण संकेतकों में सुधार दिखाई देता है। पोषण ट्रैकर आंकड़ों के अनुसार, जून 2025 तक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कुपोषण और कम वजन के आंकड़े **अनुलग्नक-III** में दिए गए हैं।

*****

अनुलग्नक-I

"पोषण और स्वास्थ्य परिणाम" के संबंध में डॉ. कल्याण वैजीनाथराव काले द्वारा दिनांक 01.08.2025 को पूछे गए लोक सभा प्रश्न संख्या 2146 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पोषण ट्रैकर के जून, 2025 के आंकड़े के अनुसार सक्षम आंगनवाड़ी और मिशन पोषण 2.0 के अंतर्गत पंजीकृत 0-6 वर्ष की आयु के बच्चों की राज्य-वार और लिंग-वार संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**पुरुष**	**महिला**
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	5177	5214
आंध्र प्रदेश	1248364	1184544
अरुणाचल प्रदेश	43114	42953
असम	1330018	1300011
बिहार	4887451	4488619
छत्तीसगढ़	1088543	1080736
दादरा और नगर हवेली - दमन और दीव	16096	15340
दिल्ली	264432	259593
गोवा	21603	21409
गुजरात	1489002	1410711
हरियाणा	898982	845256
हिमाचल प्रदेश	238740	225076
जम्मू एवं कश्मीर	393562	389381
झारखंड	1425494	1326232
कर्नाटक	1783251	1737055
केरल	908417	884969
लद्दाख	8382	8252

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पुरुष	महिला
लक्षद्वीप	1832	1698
मध्य प्रदेश	3299905	3173155
महाराष्ट्र	2997129	2782614
मणिपुर	135070	130408
मेघालय	198878	196327
मिजोरम	50522	49360
नागालैंड	52063	50422
ओडिशा	1668062	1582746
पुद्दुचेरी	14331	14368
पंजाब	746492	694334
राजस्थान	1830291	1757517
सिक्किम	14854	14380
तमिलनाडु	1905176	1802364
तेलंगाना	952444	884528
त्रिपुरा	143640	140833
संघ राज्य क्षेत्र-चंडीगढ़	16262	15894
उत्तर प्रदेश	10177900	9197301
उत्तराखंड	311082	298449
पश्चिम बंगाल	3876127	3693851

अनुलग्नक-II

"पोषण और स्वास्थ्य परिणाम" के संबंध में डॉ. कल्याण वैजीनाथराव काले द्वारा दिनांक 01.08.2025 को पूछे गए लोक सभा प्रश्न संख्या 2146 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के पोषण ट्रैकर आंकड़ों के अनुसार, जिन बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों को पूरक पोषण भेजा जा रहा है, उनकी संख्या का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रं.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	एसएएम और एसयूडब्ल्यू वाले बच्चे (6 माह से 6 वर्ष)	गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं
1	आंध्र प्रदेश	2265268	457921
2	बिहार	9748727	1303166
3	छत्तीसगढ़	2058585	340451
4	गोवा	47981	8685
5	गुजरात	2914466	457810
6	हरियाणा	1045481	256160
7	झारखंड	2673987	352302
8	कर्नाटक	3433879	669253
9	केरल	1401671	226788
10	मध्य प्रदेश	6110914	954001
11	महाराष्ट्र	5449195	754318
12	ओडिशा	3100626	554701
13	पंजाब	1069507	204284
14	राजस्थान	3382644	673563
15	तमिलनाडु	2367566	610932
16	तेलंगाना	1623580	293402

क्रं.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	एसएएम और एसयूडब्ल्यू वाले बच्चे (6 माह से 6 वर्ष)	गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं
17	उत्तर प्रदेश	19179628	2850060
18	पश्चिम बंगाल	7129078	1138312
19	दिल्ली	525234	141263
20	पुद्दुचेरी	32554	7691
21	हिमाचल प्रदेश	284334	75635
22	जम्मू एवं कश्मीर	748029	112432
23	उत्तराखंड	625923	131129
24	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	10190	1783
25	संघ राज्य क्षेत्र-चंडीगढ़	22016	7311
26	दादरा और नगर हवेली - दमन और दीव	23587	5959
27	लद्दाख	16577	2422
28	लक्षद्वीप	3936	795
29	अरुणाचल प्रदेश	70284	4818
30	असम	2598489	309595
31	मणिपुर	259280	20767
32	मेघालय	359214	39865
33	मिजोरम	99058	12192
34	नागालैंड	75205	3591
35	सिक्किम	23751	3489
36	त्रिपुरा	276613	33620

अनुलग्नक-III

"पोषण और स्वास्थ्य परिणाम" के संबंध में डॉ. कल्याण वैजीनाथराव काले द्वारा दिनांक 01.08.2025 को पूछे गए लोक सभा प्रश्न संख्या 2146 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पोषण ट्रैकर के जून, 2025 के आंकड़े के अनुसार देश में बच्चों (0-5 वर्ष) के कुपोषण संकेतकों का राज्य-वार विवरण इस प्रकार है:

क्रं.सं.	राज्य	दुबलेपन का %	कम वजन का %
1	आंध्र प्रदेश	4.97	7.68
2	अरुणाचल प्रदेश	5.18	11.65
3	असम	4.50	16.88
4	बिहार	9.31	20.98
5	छत्तीसगढ़	7.77	14.23
6	गोवा	0.78	1.96
7	गुजरात	7.28	18.41
8	हरियाणा	3.83	7.85
9	हिमाचल प्रदेश	2.41	6.88
10	झारखंड	6.68	19.13
11	कर्नाटक	3.18	16.50
12	केरल	3.20	10.18
13	मध्य प्रदेश	8.19	24.82
14	महाराष्ट्र	4.01	14.80
15	मणिपुर	0.67	2.69
16	मेघालय	1.11	5.14
17	मिजोरम	2.98	6.33
18	नागालैंड	6.08	7.00

क्रं.सं.	राज्य	दुबलेपन का %	कम वजन का %
19	ओडिशा	3.21	11.63
20	पंजाब	2.95	5.12
21	राजस्थान	6.49	17.57
22	सिक्किम	1.95	1.69
23	तमिलनाडु	3.54	6.29
24	तेलंगाना	5.93	17.00
25	त्रिपुरा	7.68	18.01
26	उत्तर प्रदेश	5.04	19.96
27	उत्तराखंड	2.47	6.31
28	पश्चिम बंगाल	4.75	9.00
29	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1.66	2.93
30	दादरा और नगर हवेली - दमन और दीव	3.56	17.45
31	दिल्ली	3.81	15.35
32	जम्मू एवं कश्मीर	1.55	4.05
33	लद्दाख	0.25	1.98
34	लक्षद्वीप	11.62	22.54
35	पुद्दुचेरी	6.40	12.20
36	संघ राज्य क्षेत्र-चंडीगढ़	5.34	14.69